भारत-मंगोलिया संबंध

प्रिलिम्स के लिये:

भारत-मंगोलिया संबंध, कोविड-19 महामारी, बौद्ध धर्म, एक्ट ईस्ट नीति।

मेन्स के लिये:

भारत-मंगोलिया संबंध।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 11वीं भारत-मंगोलिया **संयुक्त कार्य समूह** बैठक भारत में आयोजित हुई।

- भारत-मंगोलिया के बीच बढ़ते संबंधों को देखते हुए दोनों पक्षों ने कोविड-19 महामारी से जुड़ी बाधाओं के बावजूद दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।

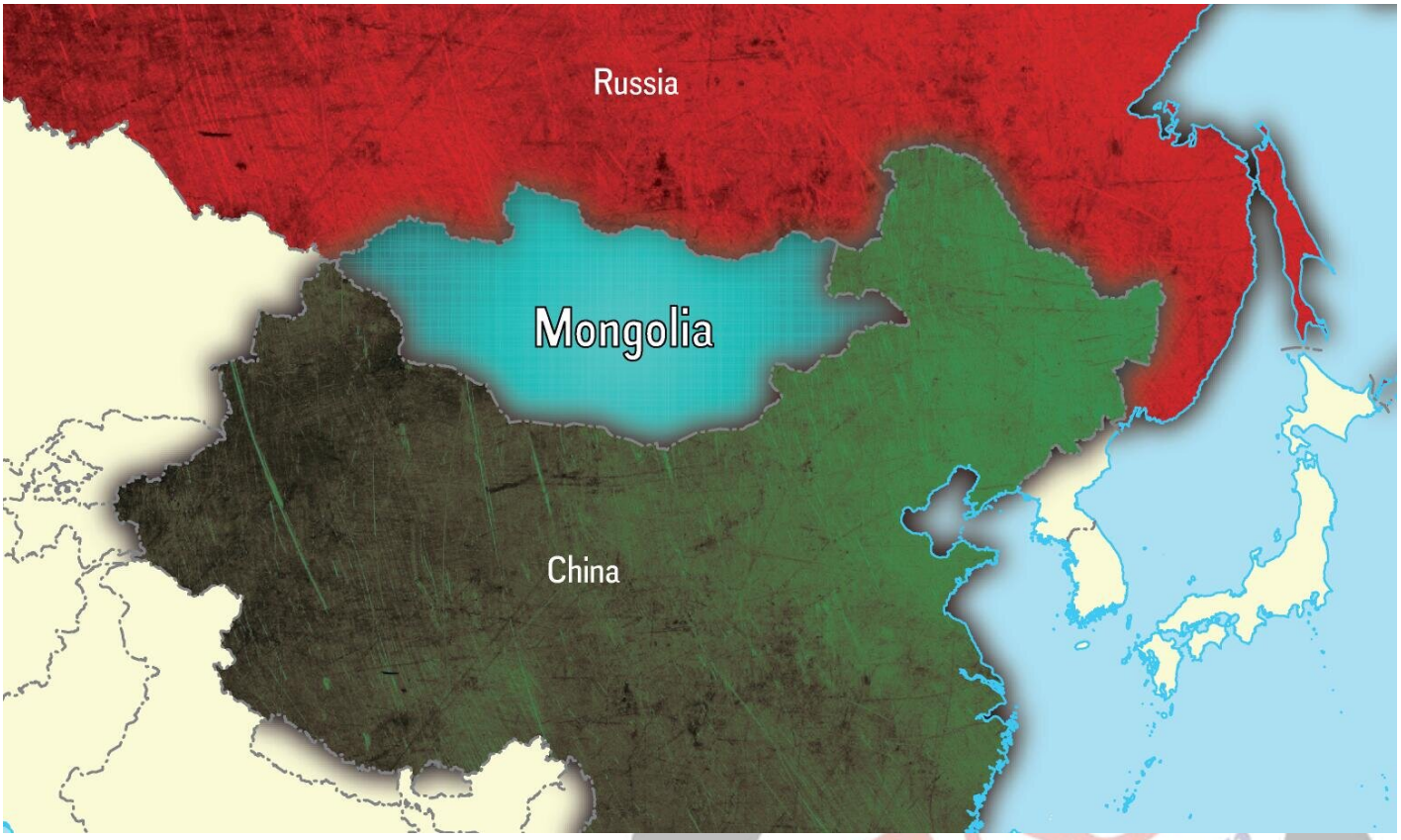

//

भारत-मंगोलिया संबंध:

- **ऐतिहासिक संबंध:**
  - भारत और मंगोलिया **बौद्ध धर्म** के माध्यम से ऐतिहासिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं।
  - मंगोलिया भारत को अमेरिका, जापान एवं जर्मनी के साथ अपना "तीसरा" पड़ोसी मानता है और वह भी "आध्यात्मिक पड़ोसी"।
- **राजनयिक संबंध:**
  - भारत ने वर्ष **1955 में मंगोलिया के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किये** और सोवियत संघ के बाहर मंगोलिया के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला यह पहला देश था।
  - **उलानबटार में वर्ष 1971 में भारतीय रेजिडेंट मिशन खोला गया।**
    - वर्ष 2015 में भारतीय प्रधानमंत्री के मंगोलिया दौरे के बाद इस संबंध को "रणनीतिक साझेदारी" में तब्दील किया गया था और इसे **'एक्ट ईस्ट पॉलिसी'** के एक आवश्यक घटक के रूप में घोषित किया।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:**
  - मंगोलिया ने **विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** (UNSC) की स्थायी सीट के लिये भारत की सदस्यता हेतु सार्वजनिक रूप से समर्थन प्रदर्शित किया है।
  - चीन और ताइवान के कड़े विरोध के बावजूद भारत ने**संयुक्त राष्ट्र (UN)** सहित **प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मंगोलिया को सदस्यता दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई है।
  - भारत ने **गुटनिरपेक्ष आंदोलन** में मंगोलिया को शामिल किये जाने का भी समर्थन किया।
    - बदले में मंगोलिया ने नव-मुक्त बांग्लादेश की मान्यता के लिये भारत और भूटान के साथ वर्ष 1972 के संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया।
- **आर्थिक सहयोग:**
  - वर्ष 2022 में **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की लागत** के साथ 1.5 मिलियन मीट्रिक टन की क्षमता वाली **भारत द्वारा**

नरि्मति तेल रफिाइनरी मंगोलयिा के दक्षणि डोर्नोगोवी प्रांत में साइनशंड के पास खोली गई थी।
    - यह रफिाइनरी मंगोलयिा की 75% तेल रफिाइनगि ज़रूरतों को पूरा रखेगी।
  - वर्ष 2019 के 38.3 मलियिन अमेरकिी डॉलर के मुकाबले भारत-मंगोलयिा द्वपिक्षीय व्यापार वर्ष 2020 में 35.3 मलियिन अमेरकिी डॉलर का था।
- **सांस्कृतकि सहयोग:**
  - भारत और मंगोलयिा के बीच **सांस्कृतकि आदान-प्रदान कार्यक्रम** (SEP) **सांस्कृतकि सहयोग पर भारत-मंगोलयिाई समझौते** द्वारा वनियिमति है, जसि पर **वर्ष 1961 में हस्ताक्षर कयि गए थे।**
  - इस समझौते में छात्रवृत्ति, वशिषज्ञों के आदान-प्रदान, सम्मेलनों में भागीदारी आदि के माध्यम से शक्षिा के क्षेत्र में सहयोग की परकिल्पना की गई है।
- **रक्षा सहयोग:**
  - भारत और मंगोलयिा के बीच संयुक्त रक्षा अभ्यास का कोड नाम **नोमेडकि एलीफैंट** है।
  - भारत मंगोलयिा के **द्ववािर्षकि खान क्वेस्ट (Khan Quest) में भी सक्रयि रूप से भाग लेता है, जो कि एक सप्ताह तक चलने वाला संयुक्त प्रशक्षिण अभ्यास है।**
- **पर्यावरणीय मुद्दों पर सहयोग:**
  - दोनों देश **बश्किेक घोषणा (हमि तेंदुआ)** का हस्सिा हैं।

मंगोलयिा से संबंधति प्रमुख तथ्य:

- **मंगोलयिा पूर्व और मध्य एशयिा में स्थति एक भू-आबद्ध देश है।** यह उत्तर में रूस तथा दक्षणि, पूर्व और पश्चमि में चीन से घरिा है।
- यह वशि्व का दूसरा सबसे बड़ा भू-आबद्ध (Landlocked) देश है और वशि्व में सबसे वरिल आबादी वाला देश है।
- इसकी बहुसंख्यक आबादी अभी भी **पारंपरकि खानाबदोश चरवाहे संस्कृति का पालन करती है और यहाँ मंगोलयिा मंगोल, कज़ाख और तुवन सहति वभिन्नि जातीय समूह नविास करते हैं।**
- देश को **"अनंत नीले आकाश की भूमि" और "घोड़ों की भूमि"** के रूप में जाना जाता है।
- मंगोलयिा के परदृिश्य पर दक्षणि में **गोबी रेगस्तिान और पश्चमि में वशिाल अल्ताई पर्वत** का प्रभुत्त्व है।
- हाल के वर्षों में अपने तेज़ी से **आधुनकिीकरण के बावजूद उलानबटार अब भी कई ऐतहिासकि मंदरिों, मठों और अन्य सांस्कृतकि स्थलों के साथ एक मज़बूत पारंपरकि मंगोलयिाई** पहचान बनाए हुए है।
- यह देश कभी मंगोल साम्राज्य का केंद्र था, **जो यूरोप से एशयिा तक फैला ऐतहिासकि रूप से सबसे बड़ा सन्नहिति साम्राज्य था।**

आगे की राह

- भारत-मंगोलयिा संबंधों का **भवषि्य ऐतहिासकि और सांस्कृतकि संबंधों की मौजूदा नींव पर नरि्भर करेगा**, साथ भी राजनीतकि, आर्थकि एवं सांस्कृतकि सहयोग का वस्तिार करने का भी प्रयास कयि जाएगा।
- मध्य एशयिा, पूर्वोत्तर एशयिा, सुदूर पूर्व, चीन और रूस के चौराहे पर मंगोलयिा की सामरकि स्थति प्रमुख शक्तयिों को आकर्षति करती है। **भारत द्वारा मंगोलयिा को आर्थकि वकिास के एक हरति क्षेत्र के रूप में देखा जाना चाहयि,** जो आधुनकिीकरण प्रक्रयिा के हस्सि के रूप में हाई-टेक सुवधिाओं एवं उत्पादन कौशल को समाहति करता है।
- चूँकि दोनों देश इस क्षेत्र में समान चुनौतयिों का सामना कर रहे हैं, इसलयि आगामी वर्षों में संबंधों को और मज़बूत कयि जाने की संभावना है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. "जलवायु चरम है, वर्षा कम है और लोग चलवासी पशुचारक हुआ करते थे।" (2013)

उपर्युक्त कथन नम्निलखिति क्षेत्र में से कसिका सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(a) अफ्रीकी सवाना
(b) मध्य एशयिाई स्टेपी
(c) उत्तरी अमेरकिी प्रेयरी
(d) साइबेरयिाई टुंड्रा

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **अफ्रीकी सवाना:** यह **एक उष्णकटबिंधीय घास का मैदान है** और अफ्रीका की आधी सतह को कवर करता है। यहाँ मौसम सामान्यतः 20º से 30ºC तक के तापमान के साथ ऊष्ण रहता है। सवाना में प्रतवर्ष 75 सेमी. तक मध्यम वर्षा होती है। **इस बायोम में रहने वाले लोग मुख्य रूप से कसिान हैं जो ऐसे अनाज़ और अन्य पौधों को उगाते हैं जो लंबे समय तक सूखे का प्रतरिोध कर सकते हैं,** जैसे कि बाजरा, ज्वार, जौ और गेहूँ,

साथ ही मूँगफली, कपास, चावल एवं गन्ना, दूसरी तरफ शुष्क सवाना क्षेत्रों में प्रजनन दर भी प्रबल होती है।

- **समशीतोष्ण घास के मैदान:** सवाना की तुलना में समशीतोष्ण घास के मैदानों में तापमान बहुत अधिक भिन्न होता है। समशीतोष्ण घास के मैदानों में गर्म ग्रीष्मकाल होता है जहाँ तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो सकता है और ठंडी सर्दियाँ जहाँ तापमान -40ºC से नीचे गिर सकती हैं।
- **मध्य एशियाई स्टेपी:** घास के मैदानों (स्टेप्स) में समशीतोष्ण वातावरण होता है, जिसमें गर्म से अत्यधिक गर्म ग्रीष्मकाल और ठंड से अत्यधिक ठंड वाला शीतकाल होता है। इन मध्य महाद्वीपीय क्षेत्रों में तापमान अक्सर चरम पर होता है। ये अक्सर रेगिस्तान तथा समशीतोष्ण जंगलों के बीच स्थित होते हैं एवं कम वार्षिक वर्षा इन क्षेत्रों की विशेषता होती है। यूरेशिया के घास के मैदान पूर्वी चीन से मंगोलिया और रूस से यूरोप तक फैले हुए हैं। इस क्षेत्र के लोग खानाबदोश चरवाहे हुआ करते थे।
- **उत्तरी अमेरिकी प्रेयरी:** प्रेयरी उत्तरी अमेरिका के शीतोष्ण घास के मैदान हैं। 'प्रेयरी' शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्द 'प्रियाटा' से हुई है जिसका अर्थ है घास का मैदान। वे एक महाद्वीप के केंद्र में स्थित हैं। जलवायु चरम तापमान के साथ महाद्वीपीय प्रकार की है। ग्रीष्मकाल लगभग 20ºC तापमान के साथ गर्म होता है और लगभग -20ºC तापमान के साथ सर्दियों में बहुत ठंड पड़ती हैं। इस क्षेत्र के लोग बहुत मेहनती होते हैं। वे अपने प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने के लिये प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं।
- **साइबेरियन टुंड्रा:** ये आर्कटिक सर्कल के उत्तर में और अंटार्कटिक सर्कल के दक्षिण में पाए जाते हैं। तराई-ग्रीनलैंड की तटीय पट्टी, उत्तरी कनाडा और अलास्का के बंज़र मैदान तथा यूरेशिया के आर्कटिक समुद्री तट पर टुंड्रा जलवायु पाई जाती है। जलवायु की विशेषता बहुत कम औसत वार्षिक तापमान है। मध्य सर्दियों में तापमान जमाव बिंदु से 40-50 डिग्री सेल्सियस नीचे होता है। ग्रीष्मकाल अपेक्षाकृत गर्म होता है। आमतौर पर चार महीने से अधिक का तापमान हिमांक-बिंदु से ऊपर नहीं होता है। वर्षण मुख्य रूप से बर्फ एवं ओले के रूप में होता है। संवहन वर्षा सामान्यतः अनुपस्थित होती है। लोग अर्द्ध-खानाबदोश जीवन जीते हैं। टुंड्रा की मानवीय गतिविधियाँ काफी हद तक तट तक ही सीमित हैं।

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-mongolia-relations-2-1